**साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का उद्घाटन**

शहर के प्रतिष्ठित ए प्लस कॉलेज में हो रहे वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि डॉ. सजोय दास गुप्ता (बोस इंस्टिट्यूटकोलकाता) विशिष्ट अतिथि डॉ गौरव दवे (गुजरात) डॉ पी. शिवकुमार सिंह (तेलंगाना), डॉ रामनारायण पांडेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सजोय दास गुप्ता ने क्रिस्पर टेक्नोलॉजी के बारे में उद्घाटन सत्र को संबोधित किया उन्होंने बताया कि इस तकनीक से जिनोमिक्स प्रोटीमिक्स एवं संपूर्ण पादप जगत प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन आ रहा है जिससे भारत ही नहीं विश्व भर में खाद्य संकट की समस्या को दूर किया जा सकता है तत्पश्चात डॉक्टर पी शिव कुमार सिंह ने भारत में पाए जाने वाले दुर्लभ मेडिसिनल प्लांट (औषधी पौधों) के ऊपर कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया तत्पश्चात शोध छात्रों के द्वारा मौखिक प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न वैज्ञानिकों को छात्रों द्वारा वानस्पति विज्ञान में किए गए शोध कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया साथ डॉक्टर एम पी ठाकुर कृषि वैज्ञानिक इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (विस्तार केंद्र बेमेतरा) द्वारा मशरूम के बारे में कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। साथ ही गुजरात से आए हुए पादप रसायन वैज्ञानिक डॉ गौरव एस दवे ने कांफ्रेंस को संबोधित किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में जैव तकनीकी भाग चेयरमैन के रूप में डॉक्टर केएल तिवारी पूर्व विभागाध्यक्ष पंडित रविशंकर शुक्ला रायपुर साथ ही प्राध्यापक डॉ एस के जाधव उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र समारोह में प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉ राजेंद्र चौबे ने बताया कि मनुष्य अपने स्वार्थ के कारण प्रकृति एवं वन संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर रहा है जिससे भविष्य में गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है साथ ही विभागाध्यक्ष वानस्पति शास्त्र डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य के बारे में बताया। कार्यक्रम के आयोजक सचिव के रूप में डॉक्टर जी एस ठाकुर सर ने सभी माननीय अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र ने किया साथ ही तकनीकी सत्र का संचालन डॉक्टर वीणा ठाकुर सहायक प्राध्यापक ने किया कार्यक्रम के सहायक समन्वयक के रूप में प्राध्यापक गायत्री पांडे ने कार्यक्रम की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में मौखिक प्रस्तुतिकरण के अध्यक्ष के रुप मे डॉ कपिंदर दीवान एवं डॉ. एन बी. सिंग प्राध्यापक विज्ञान महा. रायपुर उपस्थित थे साथ ही वक्ता के रूप में डॉ विमल कानूंगो और डॉ केशव कांत साहू, डॉ अविनाश कुमार शर्मा, डॉ नागेन्द्र चन्द्रवंशी आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में डॉ. सतीश कुमार सेन, डॉ. मोती राम साहू,वसीम अकरम, दानेश निर्मल, रत्नाकर उपाध्याय, देवेंद्र निर्मल, श्यामु साहु, स्वाति अग्रवाल, प्राची गुप्ता, ज्योति, मानसी का सहयोग रहा।

